उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय,प्रयागराज

अधिन्यास (Assignment)
परास्नातक कला कार्यक्रम (एम0ए0)
Master of Arts Programme (M.A.)

2019-2020

विषय : संस्कृत
Subject : Sanskrit
कोर्स शीर्षक : वैदिक वाङमय,
Course Title :Vaidik Vangmay

विषय कोड : एम.ए.एस.टी
Subject Code : MAST
कोर्स कोड : एम.ए.एस.टी-01
Course Code : MAST-01

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य है।
Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A
खण्ड अ

अधिकतम अंकः 18
MaximumMarks:18

प्रश्न–1 अधोलिखित मन्त्रों में से किन्हीं दो का हिन्दी में अनुवाद कीजिए – 6

क) इन्द्रस्य नु वीर्याणि प्रवोचं यानि चकार प्रथमानि वज्री।
अहन्नहिमन्वपस्ततर्द प्र वक्षणा अभिनत्पर्वतानाम्।।

ख) अभीवतं कृशनैर्विश्वरूपं हिरण्यशम्यं यजतो बृहन्तम्।
आस्थाद्रथं सविता चित्रभानुः कृष्णा रजांसि तविषीं दधानः।।

ग) आ वो वहन्तु सप्तयो रघुष्यदो रघुपत्वानः प्र जिगात बाहुभिः।
सदिता बर्हिरुरु वः सदस्कृतं मादयहध्वं मरूतोमध्वो अन्धसः।।

प्रश्न–2 वैदिक संहिताओं का सामान्य परिचय दीजिए। 6

प्रश्न–3 'इन्द्र सूक्त' का सारांश लिखिए। 6

अधिकतम अंकः12
MaximumMarks:12

Section – B
खण्ड ब

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न/प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न–4 निम्नलिखित पदों में से किन्हीं चार पर व्याकरणात्मक टिप्पणी लिखिए – 2
(i) हासमाने (ii) जवेते (iii) ब्रूहि (iv) दक्षिणा
(v) सुभगाम् (vi) स्वस्तये

प्रश्न–5 केनोपनिषद् के अनुसार आत्मा की अज्ञेयता और अनिर्वचनीयता स्पष्ट कीजिए। 2

प्रश्न–6 निम्नलिखित मंत्रों में से किसी एक की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए। 2

नाहं मन्ये सुवेदेति नो न वेदेति वेद च।
ना नस्तद्वेद नो न वेदेति वेद च।।

अथवा

यन्मनसा न मनुते येनाहुर्मनो मतम्।
तदेव ब्रह्मत्वं विद्धि नेदं यदिदमुपासते।।

प्रश्न–7 'निघण्टु' क्या है, स्पष्ट कीजिए। 2

प्रश्न–8 वेदांगों में निरूक्त का स्थान बताइए। 2

प्रश्न–9 ''समाम्नायः समाम्नातः । स व्याख्यातव्यः। तम् 2
इमं समाम्नायं निघण्टव इत्याचक्षते' – की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय,प्रयागराज

अधिन्यास (Assignment)
परास्नातक कला कार्यक्रम (एम0ए0)
Master of Arts Programme (M.A.)

2019-2020

विषय : संस्कृत
Subject : Sanskrit
कोर्स शीर्षक : पालि, प्राकृत, अप्रभंश एवं भाषा विज्ञान
Course Title :Vaidik Vangmay

विषय कोड : एम.ए.एस.टी
Subject Code : MAST
कोर्स कोड : एम.ए.एस.टी-02
Course Code : MAST-02

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य है।
Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A
खण्ड अ

अधिकतम अंक: 18
MaximumMarks:18

प्रश्न–1 निम्नलिखित गद्यांश का हिन्दी में अनुवाद कीजिए – 6

(i) तस्मिं समये 'राहुलमाता पुत्तं विजाता' ति सुत्वा सुद्धोदन महाराज पुत्तस्स में तुट्ठिं निवेदेथा'ति सासनं पहिणि। बोधिसत्तो तं सुत्वा 'राहुलो जातो, बन्धनं जातं' ति आह। राजा' किं में पुत्तो अवचा' ति पुच्छित्वा तं वचनं सुत्वा ' इतो पट्ठाय में नत्तु राहुल कुमारो येव नामं होतू' ति । बोधिसत्तो ' पि खो रथवरं आरुऽह महन्तेन यसेन अतिमनोरमेन सिरिसोभग्गेन नगरं पाविसि।

(ii) तदा किर कपिलवत्थुनगरे आसोल्हीनक्खत्तं घुट्ठं अहोसि। महाजनो नक्खत्तं कीलति। महामाया देवी पुरे पुण्णमाय सत्तमदिवसतो पट्ठाय विगतसुरापानं मालागन्धविधूतिसम्पन्नं नक्खत्तकीले अनुभवमाना सत्तमदिवसे पातो व उट्ठाय गन्धोदकेन नहायित्वा चत्तारि सतसहस्सानि विस्सेज्जेत्वा महादानं दत्वा सब्बालङ्.कार विभूषिता वरभोजनं भुञ्जित्वा ओसथङ्.गानि अधिट्ठाय अलङ्.कतपटियत्तं सिरिगब्भं पविसित्वासिरिसयने निपन्ना निद्दं ओक्कममाना इदं सुपिन अदस्स।

(iii) अथ खो भगवा आयस्मन्तं आनन्दं आमन्तेसि – ''सिया खो पनानन्द, तुम्हाकं एवं अस्स 'अतीतसत्थुकं पावचनं। नत्थि नो सत्थ ति। न खो पने तं, आनन्द, एवं दट्ठब्बं। यो वो आनन्द, मया धम्मो च विनयो चव देत्यितो पञ्ञत्तो, सो वो ममच्चयेन सत्या। यथा खो पनानन्द, एतरहिभिक्खू अञ्ञमञ्ञं आबुसोवादेन समुदाचरन्ति, न वो ममच्चयेन एवं समुदायरितब्नं।

प्रश्न–2 निम्नांकित पद्य की संस्कृत छाया लिखिए – 6

(i) उअ णिच्चलणिप्पन्दा भिसिणीपत्तम्मि रेहइ बलाआ।
णिम्मलमरगअभाअण परिट्ठिआ संखसुत्ति ब्व।

(ii) यथा पिभमरो पुप्फं वण्णगन्ध अहेठयं।
फलेति रसमादाय, एवं ग्रामे मुनी चरे।।

(iii) एकं धम्मं अतीतस्स मुसावादिस्स जन्तुनो।
वितिण्णपरलोकस्स नत्थि पापं अकारियं।

प्रश्न–3 भाषोत्पत्तिविषयक विविध सिद्धान्तों पर प्रकाश डालिए। 6

Section – B
खण्ड ब

अधिकतम अंकः12
MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न/प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न–4 पालि साहित्य पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए। 2

प्रश्न–5 ध्वनिविज्ञान पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए। 2

प्रश्न–6 प्राकृतभाषा की उत्पत्ति एवं विकास पर संक्षिप्त निबन्ध लिखिए।

प्रश्न–7 अधोलिखित में से किन्हीं चार पर टिप्पणी लिखिए – 2

(i) ओक्कममाना, साणचिक्खिलम्
(ii) प्रजापतिह्रदयं, दिसाकाकं
(iii) अतीतसत्थुकं प्रवचनं, रागाग्नौ

प्रश्न–8 निम्नलिखित पद्य का हिन्दी में अर्थ लिखिए– 2
जइ अत्थिणई गंगा तियलोए णिच्च–प्पडिय– पहावा।
बच्चइ सायस्समुहा ता सेस–सरी म बच्चन्तु।।

प्रश्न–9 अपभ्रंश के मुक्तक काव्यों की विशेषताए बताइए। 2

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय,प्रयागराज

अधिन्यास (Assignment) 2019-2020
परास्नातक कला कार्यक्रम (एम0ए0)
Master of Arts Programme (M.A.)

विषय : संस्कृत
Subject : Sanskrit
कोर्स शीर्षक : व्याकरण तथा अलंकार
Course Title :

विषय कोड : एम.ए.एस.टी
Subject Code : MAST
कोर्स कोड : एम.ए.एस.टी-03
Course Code : MAST-03

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य है।
Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A
खण्ड अ

अधिकतम अंकः18
MaximumMarks:18

प्रश्न–1 शब्दालंकार तथा अर्थालंकार के मध्य भेदक तत्वों को स्पष्ट कीजिए। 6

प्रश्न–2 निम्नलिखित अलंकारों के सोदाहरण लक्षण स्पष्ट कीजिए – 6

1) यमक
2) उत्प्रेक्षा
3) विभावना
4) अर्थान्तरन्यास
5) उपमा

प्रश्न–3 अधोलिखित में से किन्हीं दो रूपों की सिद्धी कीजिए – 6
रामौ, हरमे, नद्याः, भानो :

Section – B
खण्ड ब

अधिकतम अंकः12
MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न/प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न–4 निम्नलिखित में से किन्हीं दो का अलौकिक विग्रह लिखिए– 2
राजपुत्र :, सप्तर्षयः उपकृष्णम, द्वियमुनम्

प्रश्न–5 अधोलिखित में से किन्हीं दो रूपों की सिद्धी कीजिए – 2
पठन्ति, पठेत,गच्छ, अगच्छन्

प्रश्न–6 अधोलिखित में से किसी एक अलंकार युग्म में भेद स्पष्ट कीजिए – 2

1) उपमा – रूपक
2) निदर्शना – दृष्टान्त
3) विभावना – विशेषोन्ति

प्रश्न–7 अधोलिखित में से किन्ही चार के प्रकृति प्रत्यय बताइए – 2
देयम, कर्ता, भिन्नः, भिक्षाकः , स्तुतिः, पवित्रम्

प्रश्न–8 अधोलिखित में से किन्हीं चार के प्रकृति प्रत्यय बताइए – 2
आदित्यः , वैनतेय :, रैवतिकः , पाशुपतम् , पारीणः , कालिकम्

प्रश्न–9 बहुब्रीहि समास का लक्षण सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। 2

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय,प्रयागराज

अधिन्यास (Assignment) 2019-2020
परास्नातक कला कार्यक्रम (एम0ए0)
Master of Arts Programme (M.A.)

विषय : संस्कृत — विषय कोड : एम.ए.एस.टी
Subject : Sanskrit — **Subject Code : MAST**
कोर्स शीर्षक : काव्यशास्त्र — कोर्स कोड : एम.ए.एस.टी-04
Course Title : Kayya Shasttra — **Course Code:MAST-04(N)/07 (O)**

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य है।
Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A
खण्ड अ

अधिकतम अंकः18
MaximumMarks:18

प्रश्न–1 आचार्य मम्मट के काव्य–प्रयोजन की विस्तृत व्याख्या कीजिए। 6

प्रश्न–2 'नियतिकृतनियमरहितां हलादैकमयीमनन्यपरतन्त्राम्। 6
नवरसरुचिरां निर्मितिमादधती भारती कवेर्जयति ।।
– इस कारिका की व्याख्या कीजिए।

प्रश्न–3 अभिनवगुप्त के अभिव्यक्तिवाद के आधार पर रस की अलौकिकता सिद्ध कीजिए।

Section – B
खण्ड ब

अधिकतम अंकः12
MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न/प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न–4 मम्मट द्वारा निर्दिष्ट काव्य को स्पष्ट कीजिए। 2
प्रश्न–5 'साक्षात्सङ्ेतितं योऽर्थमभिधत्ते स वाचकः' – को समझाइए।
प्रश्न–6 'मुख्यार्थबाधे तद्योगे रूढितोऽथ प्रयोजनात्। अन्योऽर्थो लक्ष्यते यत् सा लक्षणारोपिता क्रिया– की व्याख्या कीजिए। 2
प्रश्न–7 'इदमुत्तममतिशयिनि व्यङ्ग्ये वाच्याद् ध्वनिर्बुधैः कथितः' –इस कारिका की व्याख्या कीजिए। 2
प्रश्न–8 'विभावानुभोवव्यभिचारिसंयोगाद्रसनिष्पत्तिः' की व्याख्या कीजिए। 2
प्रश्न–9 मम्मट द्वारा निर्दिष्ट 'विवक्षितान्यपरवाच्य ध्वनि' पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए। 2

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय,प्रयागराज

अधिन्यास (Assignment) 2019-2020
परास्नातक कला कार्यक्रम (एम0ए0)
Master of Arts Programme (M.A.)

विषय : संस्कृत — विषय कोड : एम.ए.एस.टी
Subject : Sanskrit — **Subject Code : MAST**
कोर्स शीर्षक : नाटक एवं नाट्य शास्त्र — कोर्स कोड : एम.ए.एस.टी-05
Course Title : — **Course Code:MAST-05(N)/08 (O)**

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks : 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य है।
Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A
खण्ड अ

अधिकतम अंकः 18
MaximumMarks:18

प्रश्न–1 भट्ट नारायण के व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व पर प्रकाश डालिए । 6

प्रश्न–2 'रत्नावली एक नाटिका है' इस कथन की समीक्षा कीजिए। 6

प्रश्न–3 अर्थप्रकृति का लक्षण करते हुए इसे भेदों का विवेचन कीजिए। 6

Section – B
खण्ड ब

अधिकतम अंकः12
MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न/प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य

प्रश्न–4 'अवस्थानुकृतिर्नाट्यम्' की व्याख्या कीजिए।
प्रश्न–5 अर्थोपक्षेपकै। सूच्यं पञ्चभिः प्रतिपादयेत्। 2
विश्कम्भ की चूलिंकाड.कास्याङ्.कावतारप्रवेश्यंकैः ।।
प्रश्न–6 उदयन का चरित्र–चित्रण कीजिये। 2
प्रश्न–7 निम्नलिखित श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए। 2
(i) राज्यं निर्जितशत्रु योग्यसचिवे न्यस्तः समस्तो भरः
सम्यक्पालनलालिताः प्रशमिताशेषोपसर्गाः प्रजाः।
प्रद्योतस्य सुता वसन्तसमयस्त्वं चेति नाम्ना धृतिं,
कामः काममुपैत्वयं मम पुनर्मन्ये महानुत्स्वः।।

प्रश्न–8 वेणीसंहार नाटक की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए। 2
प्रश्न–9 निम्नलिखित श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए – 2
'स्त्रीणां हि साहचर्याद् भवन्ति चेतांसि'

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय,प्रयागराज

अधिन्यास (Assignment) 2019-2020

परास्नातक कला कार्यक्रम (एम0ए0)

Master of Arts Programme (M.A.)

विषय : संस्कृत — विषय कोड : एम.ए.एस.टी

Subject : Sanskrit — **Subject Code : MAST**

कोर्स शीर्षक : दर्शन — कोर्स कोड : एम.ए.एस.टी-06

Course Title : — **Course Code:MAST-06(N)/04 (O)**

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य है।

Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A

खण्ड अ

अधिकतम अंकः18
MaximumMarks:18

प्रश्न–1 अधोलिखित कारिकाओं में से किसी एक की विस्तृत व्याख्या कीजिए – 6

(i) दुःखत्रयाभिघाताज्जिज्ञासा तदपघातके हेतौ।
दुष्टे साऽपार्था चेनैकान्तात्यन्ततोऽभावात्।।

(ii) प्रीत्यप्रीतिविषादात्मकाः प्रकाशप्रवृत्तिनियमार्थाः।
अन्योन्याभिभवाश्रयजननमिथुनवृत्तयश्च गुणाः।।

(iii) असदकरणादुपादानग्रहणात् सर्वसम्भवाभावात्।
शक्तस्य शक्यकरणात् कारणभावाच्च सत्कार्यम्।।

प्रश्न–2 अधोलिखित में से किसी एक की व्याख्या कीजिए – 6

(i) साक्षात्कारिप्रमाकरणं प्रत्यक्षम्।

(ii) लिङ्.गपरामर्शोऽनुमानम्

(iii) तच्च कारणं त्रिविधम्। समवायि– असमवायि– निमित्तभेदात्।

प्रश्न–3 अधोलिखित में से किसी एक की व्याख्या कीजिए – 6

(i) विषयो जीवब्रह्मैक्यं शुद्धचैतन्यं प्रमेयम्,
तत्रैव वेदान्तानां तात्पर्यात्।

(ii) तत्रानुबन्धो नामाधिकारिविषयसम्बन्ध प्रयोजनानि

Section – B

खण्ड ब

अधिकतम अंकः12
MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न/प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न–4 'योगश्चित्तवृत्तिनिरोधः' की व्याख्या कीजिए। 2

प्रश्न–5 'अष्टांगयोग' से क्या समझते हैं?

प्रश्न–6 न्याय दर्शन के प्रमुख आचार्यों का संक्षिप्त परिचय कीजिए।

प्रश्न–8 सांख्य दर्शन के प्रमुख आचार्यों का संक्षिप्त परिचय कीजिए। 4

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय,प्रयागराज

अधिन्यास (Assignment) 2019-2020

परास्नातक कला कार्यक्रम (एम0ए0)
Master of Arts Programme (M.A.)

विषय : संस्कृत — विषय कोड : एम.ए.एस.टी
Subject : Sanskrit — **Subject Code : MAST**
कोर्स शीर्षक : मृच्छकटिकम् (नाटक) — कोर्स कोड : एम.ए.एस.टी-07
Course Title : — **Course Code: MAST-07(N)/05 (O)**

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य है।
Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A
खण्ड अ

अधिकतम अंकः18
MaximumMarks:18

प्रश्न–1 निम्नलिखित श्लोकों की हिन्दी में ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए – 6

क) सड.गनैव हि कश्चिदस्य कुरुते संभाषते
नादरात् संप्राप्तो गृहमुत्सवेषु धनिनां सावज्ञमालोक्यते
दूरादेव महाजनस्य विहरत्यल्पच्छदो
लज्जया मन्य निर्धनता प्रकाममपरंषष्ठं महापातकम्।

ख) दीनानां कल्पवृक्षः स्वगुणफलनतः सज्जनानां
कुटुम्बी आदर्शः शिक्षितानां सचरितनिकषः शीलवेलासमुद्रः।
सत्कर्ता नावमन्ता पुरूषगुणनिधिर्दक्षिणोदारसत्त्वो
ह्येकः श्लाध्यः स जीवत्यधिक
गुणतया चोच्छवसनतीव चान्ये।।

ग) सदा प्रदोषो मम याति जाग्रतः
सदा च में निश्वसतो गता निशा।
त्वया समेतस्य विशाललोचने
ममाद्य शोकान्तरः प्रदीपकः।।

प्रश्न–2 'मृच्छकटिकम्' नाटक है या प्रकरण सिद्ध कीजिए। 6
प्रश्न–3 चारुदत्त का चरित्र चित्रण कीजिए।

Section – B
खण्ड ब

अधिकतम अंकः12
MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न/प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य है।

प्रश्न– 4 मृच्छकटिक की कथावस्तु पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए। 2
प्रश्न–5 मृच्छकटिककालीन संस्कृति पर प्रकाश डालिए। 2
प्रश्न–6 रूपक के प्रकारों का उल्लेख कीजिए। 2
प्रश्न–7 मृच्छकटिक के आधार पर शूद्रक की शैली पर प्रकाश डालिए। 2
प्रश्न–8 मृच्छकटिक के आधार पर शूद्रक का काल निर्धारण कीजिए। 2
प्रश्न–9 'घिगस्तु खलु दारिद्यमनिर्वेदित पौरुषम्' सूक्ति की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए। 2

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय,प्रयागराज

2019-2020

अधिन्यास (Assignment)
परास्नातक कला कार्यक्रम (एम0ए0)
Master of Arts Programme (M.A.)

विषय : संस्कृत | विषय कोड : एम.ए.एस.टी
Subject : Sanskrit | **Subject Code : MAST**
कोर्स शीर्षक : नाट्य एवं नाटयशास्त्र | कोर्स कोड : एम.ए.एस.टी-08(N)/06 (O)
Course Title : | **Course Code: 08(N)/06 (O)**

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य है।
Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A
खण्ड अ

अधिकतम अंकः18
MaximumMarks:18

प्रश्न–1 अधोलिखित गाद्यांश का हिन्दी में अनुवाद कीजिए। 6

(i) यावदेष ब्रह्मचारी बटुरलिपुञ्जमुद्धूय कुसुमकोरकानवाचिनोति, तावत् तस्यैवं सतीक्ष्र्योऽपरस्तत्समानवयाः कस्तुरिका– रेणु– रुषित इव श्यामः, चन्दनचर्चित– भालः, कर्पूरागुरु– क्षोदच्छुरित– वक्षो– बाहुदण्डः, सुगन्धपटलैरुन्निद्रयन्निव निद्रा– मन्थराणि कोरकनिकुरम्बकान्त रा लसुप्तानि मिलिन्द–वृन्दानि झटिति समुपसृत्य निवारयन् गौरबटुमेवमवादीत्।

अथवा

(ii) तस्मिन् पर्वते आसीदेको महान्कन्दरः तस्मिन्नेव महामनिरेकः समाधौ तिष्ठति स्म। कदा स समाधिभङ्गीकृतवानिति कोऽपि न वेत्ति। ग्रामणी–ग्रामीण–ग्रामाः समागत्य मध्ये मध्ये तं पूजयन्ति प्रणमन्ति स्तुवन्ति च। तं केचित् कपिल इति, अपरे लोमश इति इतरे जैगीषव्य इति, अन्ये च मार्कण्डेय इति, विश्वसन्ति स्म स एवायमधुना शिखरादवतरन् ब्रह्मचारिबटुभ्यामदर्शि।

प्रश्न–2 ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए – 6

(i) कुण्ठत्वमायाति गुणः कवीनां साहित्य विद्याश्रमवर्जितेषु।
कुर्यादनार्देषु किमङ्गनानां केशेषु कृष्णागुरुधूपवासः।।

अथवा

(ii) अगाधपानीयनिमग्नभूरि भूभृत्कुटुम्बोऽपि यदीयखड्गः।
भाग्यक्षयान्मालवभर्तुरासीदेएकां न धारां परिहर्तुमीशः।।

प्रश्न–3 ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए – 6

यदस्य यात्रासु बलोद्धतं रजः
फुरत्प्रतापानलधूममञ्जिम।
तदेव गत्वा पतितं सुधाम्बुधौ
दधाति पङ्कीभवदङ्कतां विधौ।

अथवा

विभजय मेरुर्न यदर्थिसात्कृतो न सिन्धुरुत्सर्गजलव्ययैर्मरुः।
अमानि तत्तेन निजायशोयुगं द्विफालबद्धाश्चिकुराः शिरस्थितम्।

Section – B

खण्ड ब

अधिकतम अंक:12

MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न/प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न–4 नैषधीयचरित के महाकाव्यत्व की समीक्षा कीजिए। 2

प्रश्न–5 नैषधीयमचरितम् के प्रथम सर्ग का सारांश लिखिए। 2

प्रश्न–6 निम्नलिखित श्लोक की हिन्दी में व्याख्या कीजिए– 2

जडेषु जातप्रतिभाभिमानाः खलाः कवीन्द्रक्तिषु के वराकाः।
प्राप्राग्निनिर्वापणगर्वमम्बु रत्नाड्.कुरजयोतिषि किं करोति।।

प्रश्न–7 संस्कृत गद्य साहित्य के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए। 2

प्रश्न–8 विक्रमांकदेव चरितम् के आधार पर विल्हण की काव्य प्रतिभा पर प्रकाश डालिए। 2

प्रश्न–9 शिवराजविजय की कथा–वस्तु को सारांश में लिखिए। **2**

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय,प्रयागराज

2019-2020

अधिन्यास (Assignment)
परास्नातक कला कार्यक्रम (एम0ए0)
Master of Arts Programme (M.A.)

विषय : संस्कृत
Subject : Sanskrit
कोर्स शीर्षक : लौकिक संस्कृत साहित्य का इतिहास एवं निबन्ध
Course Title :

विषय कोड : एम.ए.एस.टी
Subject Code : MAST
कोर्स कोड : एम.ए.एस.टी-09
Course Code : MAST-09

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य है।
Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A
खण्ड अ

अधिकतम अंकः18
MaximumMarks:18

प्रश्न–1 'यदिहस्ति तदन्यत्र यन्नेहास्ति न तत्क्वचित्' कथन की व्याख्या कीजिए। 6
प्रश्न–2 'रामायण आदिकाव्य है' – इस कथन की समीक्षा कीजिए। 6
प्रश्न–3 संस्कृत गद्य काव्य के उद्भव एवं विकास पर प्रकाश डालिए। 6

Section – B
खण्ड ब

अधिकतम अंकः12
MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न/प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य

प्रश्न–4 भारवि के जीवन परिचय पर एक लेख लिखिए। 2
प्रश्न–5 भारवि एवं माघ के काव्य की तुलना कीजिए। 2
प्रश्न–6 नाट्य भेदों के भेदक तत्त्वों को स्पष्ट कीजिए। 2
प्रश्न–7 चम्पूकाव्य के उद्भव एवं विकास पर लेख लिखिए। 2
प्रश्न–8 अधोलिखित में से किसी एक विषय पर संस्कृत में निबन्ध लिखिए – 4

क) वाक्यं रसात्मकं काव्यम्
ख) उपमा कालिदासस्य

ग) वेदोऽखिलो धर्ममूलम्
घ) संस्कृतभाषायाः महत्त्वम्

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय,प्रयागराज

अधिन्यास (Assignment) 2019-2020
परास्नातक कला कार्यक्रम (एम0ए0)
Master of Arts Programme (M.A.)

विषय : संस्कृत
Subject : Sanskrit
कोर्स शीर्षक : शोध–प्रविध
Course Title :

विषय कोड : एम.ए.एस.टी
Subject Code : MAST
कोर्स कोड : एम.ए.एस.टी-10
Course Code : MAST-10

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य है।
Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A
खण्ड–अ

अधिकतम अंक:18
MaximumMarks:18

प्रश्न–1 संस्कृत समीक्षाशास्त्र में शोध का स्वरूप स्पष्ट करते हुए शोध की योग्यता पर प्रकाश डालिए। 6
प्रश्न–2 शोध सामग्री संकलन की प्रक्रिया को समझाइए। 6
प्रश्न–3 ग्रन्थ सम्पादन एवं उसके सहायक अंगो पर प्रकाश डालिए। 6

Section – B
खण्ड ब

अधिकतम अंक:12
MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न/प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य

प्रश्न–4 शोध प्रबन्ध के मुख्य घटक को स्पष्ट कीजिए। 2
प्रश्न–5 अनुसंधान के प्रकार क्या –क्या है। संक्षेप में बताइए। 2
प्रश्न–6 शोध विषय का चयन एवं उसके शीर्षक निर्धारण पर प्रकाश डालिए। 2
प्रश्न–7 पादटिप्पणी एवं उद्धरण पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 2
प्रश्न–8 रिसर्च तकनीक का संक्षिप्त रूप में वर्णन कीजिए। 2
प्रश्न–9 शोध एवं ज्ञानर्जन की योग्यता पर संक्षिप्त लेख लिखिए। 2